<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1261

26 जुलाई, 2017 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन की लागत को कम करना

1261. श्री दिलीप कुमार तिर्कीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत के इस्पात उत्पाद चीन जैसे अन्य देशों की तुलना में महंगे हैं, जिससे इनका उपभोग कम होता है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा भारत में इस्पात उत्पादों की लागत को कम करने और इसे अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) : नियंत्रणमुक्त इस्पात क्षेत्र में सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता तक सीमित है ताकि देश में इस्पात उद्योग के विकास के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करवा सके। विभिन्न इस्पात उत्पादों का उत्पादन, बिक्री, मूल्य निर्धारण इत्यादि बाजार गतिशीलता सहित विभिन्न वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर इस्पात उत्पादकों के व्यक्तिगत निर्णय हैं। हाल ही में डंपिंग किए गए मूल्यों पर चीन इस्पात उत्पादों का निर्यात कर रहा था और तद्नुसार, कुछ इस्पात उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया गया था।

(ख) : इस्पात उत्पादन की न्यूनतम लागत सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कच्ची सामग्री मदों पर न्यूनतम आयात शुल्क लगाया, माइंस एंड मिनरल डेवलप्मेंट एंड रेग्यूलेशन (अमेंडमेंट) एक्ट, 2015 और कोल माइंस (स्पेशल प्रोविजन) एक्ट, 2015 जैसे सांविधिक फ्रेमवर्क को संशोधित किया, निजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नीति में बदलाव किया और राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 इत्यादि को अनुमोदित किया।

*****